राजस्थान पत्रिका patrika.com
चेन्नई, मंगलवार, 05 जनवरी, 2021

श्री रामचंद्रा इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च का 32वां दीक्षांत समारोह

टीकाकरण अभियान भी वृहद स्तर पर शुरू करने जा रही सरकार : डा.हर्षवर्धन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

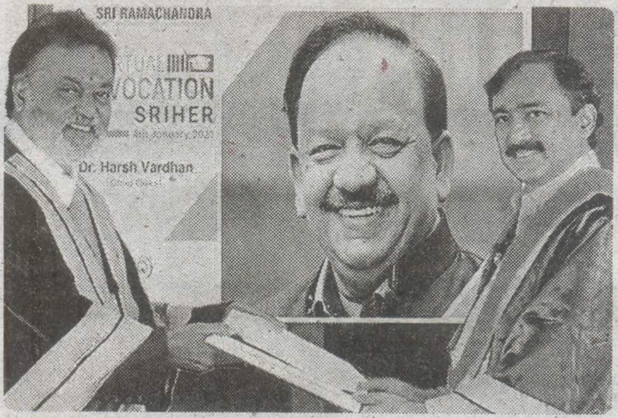

चेन्नई. केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार ने कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं और अब टीकाकरण अभियान को भी वृहद स्तर पर शुरू करने जा रही है।

भारत के औषधि नियामक ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित ऑक्सफोर्ड कोविड-19 टीके 'कोविशील्ड' और भारत बायोटेक के स्वदेश में विकसित टीके 'कोवैक्सीन' के देश में सीमित आपात इस्तेमाल को रविवार को मंजूरी दे दी थी। चेन्नई स्थित श्री रामचंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च (एसआरआईएचईआर) के 32वें दीक्षांत समारोह में अपने संबोधन में, उन्होंने कहा कि महामारी ने पर्याप्त स्वास्थ्य देखभाल के लिए सरकारी क्षेत्र के योगदान को प्रदर्शित किया।

उन्होंने महामारी के कारण पैदा हुई रुकावटों को दूर करने के लिए एक मजबूत सामाजिक प्रतिबद्धता का भी आह्वान किया। हर्षवर्धन ने कहा, केंद्र ने कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और सभी हितधारकों के साथ नियमित रूप से मुद्दों को समझने और प्रभावी कोविड प्रबंधन के लिए बातचीत की।

उन्होंने कहा, हाल की महामारी ने पर्याप्त स्वास्थ्य देखभाल की दिशा में सरकारी क्षेत्र के योगदान को प्रदर्शित किया है। केंद्र सरकार टीकाकरण अभियान को भी बड़े पैमाने पर शुरू करने जा रही है। उन्होंने कहा कि इस समय में रणनीतिक सोच, वैचारिक नेतृत्व और सामाजिक उद्यमिता की जरूरत के अलावा लोगों को एकजुट करने, आर् ामक अभियानों, मजबूत भागीदारी और गहरी प्रतिबद्धताओं की भी जरूरत है। सरकार की पहलों को गिनाते हुए, मंत्री ने कहा कि टेलीमेडिसिन को दूरदराज के क्षेत्रों में कोविड और गैर-कोविड स्वास्थ्य दोनों के लिए गुणवत्तापूर्ण उपचार की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया गया है।

उन्होंने कहा कि वेब आधारित व्यापक टेलीमेडिसिन समाधान ई-संजीवनी का उपयोग 23 राज्यों में किया जा रहा है। हर्षवर्धन ने कहा कि देश के स्वास्थ्य में सुधार के लिए, उप स्वास्थ्य केंद्रों और ग्रामीण एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को उन्नत करके 1.50 लाख स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों को बनाने के लिए विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना आयुष्मान भारत को शुरू किया गया।